हिन्दुस्तान 02
कानपुर • मंगलवार • 26 अक्तूबर 2021

खेती सीखने मलेशिया से सीएसए आएगा छात्र

कानपुर। उत्कृष्ट खेती के गुण सीखने मलेशिया से एक छात्र कानपुर आएगा। छात्र ने परास्नातक के कोर्स में सीएसए में आवेदन किया है। विवि के अधिकारियों के मुताबिक आईसीएआर और अन्य विभागों की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद छात्र को प्रवेश दिया जाएगा। रजिस्ट्रार डॉ. सर्वेंद्र ने बताया कितीन विदेशी छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ये तीनों ही छात्र अफगानिस्तान के हैं। वर्तमान में सिर्फ एक छात्र विवि के इंटरनेशनल हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है जबकि अन्य दो छात्र अफगानिस्तान में हैं।

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • मंगलवार • 26 अक्टूबर • 2021

‘उद्यमिता अपनाकर सशक्त बनें कृषक महिलाएं’

सीएसए में राज्यपाल के प्रमुख सचिव महेश गुप्ता का स्वागत करते कुलपति डॉ. डीआर सिंह।

मधुमक्खी पालन कर अतिरिक्त आय हासिल करें किसान

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित धरियांव कृषि विज्ञान केन्द्र पर सात दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को आरंभ हुआ। मुख्य अतिथि विवि के डीन कृषि महाविद्यालय डॉ. धर्मराज सिंह रहे। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.साधना वैश्य, डॉ.देवेन्द्र स्वरूप, डॉ.नौशाद आलम, डॉ.जगदीश किशोर, डॉ.अल्का कटियार, मौसम विज्ञानी सचिन शुक्ला आदि ने प्रशिक्षणार्थियों को मौन (मधुमक्खी) पालन के विभिन्न बिन्दुओं पर प्रशिक्षित किया। कम्प्यूटर प्रोग्रामर घनश्याम के सहयोग से आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सात दिनों तक चलेगा। प्रशिक्षणार्थियों को मौन पालन कर अतिरिक्त आय हासिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में कृषक महिलाओं को उद्यमिता का मार्ग दिखा सशक्त बनाने के लक्ष्य को लेकर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को सीएसए कृषि विवि में आरंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में खीर मुख्य अतिथि शामिल हुए प्रदेश की राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि महिलाएं स्वस्थ्य तथा सामाजिक-आर्थिक स्वावलंबी बनें। उन्होंने विश्वास जताया कि यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर कृषक महिलाएं गांव में अपना कृषि उद्यम स्थापित करेंगी, जिससे वे आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बन सकेंगी।

राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव ने सीएसए कृषि विवि में किया पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

महिलाओं को दिया स्वास्थ्य व सामाजिक-आर्थिक स्वावलंबन का संदेश

विवि कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने उद्घाटन सत्र में कहा कि विवि द्वारा महिलाओं की आत्मनिर्भरता हेतु एक वर्ष में 67 कार्यक्रम आयोजित किये गये। सशक्तिकरण के लिए कृषक महिलाओं को विवि वैज्ञानिकों द्वारा मुर्गी पालन, बीज उत्पादन, सिलाई-कढ़ाई मशीन चलाना, मोमबत्ती-मिट्टी के बर्तन बनाने व दुग्ध उत्पादन आदि कार्यों के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कानपुर मंडल की 34 महिलाएं भाग ले रही हैं। डॉ.एस्वी पाल के संचालन में संपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ.धनंजय सिंह, अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉ.केदरल, राज्य कृषि प्रबंध संस्थान रहमानखेड़ा लखनऊ की उप निदेशक डॉ.कनीज फातिमा, कोर्स कोआर्डिनेटर डॉ.एके सचान, सह निदेशक प्रसार डॉ.पीके राठी, डॉ.सुभाष चन्द्रा, डॉ.अनिल कुमार सिंह, एसएल वर्मा, डॉ.आशा यादव, डॉ.जितेन्द्र यादव सहित कृषि विभाग व विवि के अन्य अधिकारी ने भागीदारी की।

Sign in to edit and save changes to this file.

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद व हल्द्वानी से प्रकाशित

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 31, अंक 291, पृष्ठ 14, मूल्य : 3 रुपये

लखनऊ, मंगलवार, 26 अक्टूबर 2021

लेकर इमरान की जमकर खिंचाई... 14

लय हासिल करने पर रहेंगी

आयोजन

राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव और सीएसए के कुलपति ने किया पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन

महिलाओं को सशक्त बनाने को लानी होगी जागरूकता : महेश

अमृत विचार, कानपुर

सीएसए के प्रसार निदेशालय में सोमवार को पांच दिवसीय महिला सशक्तिकरण विषयक कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रदेश की राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता एवं कुलपति डॉ. डीआर सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु उनमें जागरूकता लानी होगी, साथ ही स्वयं में निर्णय लेने, नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि यह साहसी दृढ़ निश्चय एवं आत्मविश्वास ही बने क्योंकि नारी की सशक्त होने पर ही देश एवं समाज के उज्जवल भविष्य की कामना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निसंदेह सहजता से हर एक दिन भिन्न-भिन्न भूमिकाएं जीते हुए महिलाएं किसी भी समाज का स्तंभ है। हमारे आसपास महिलाएं सहृदय बेटियां, संवेदनशील माताएं, सक्षम सहयोगी और अन्य कई भूमिकाओं को बड़ी ही कुशलता व सौम्यता से निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं स्वास्थ्य सामाजिक एवं आर्थिक स्वावलंबी बने।उन्होंने कहा कि मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर गांव में अपना कृषि आधारित उद्यम स्थापित करेंगी जिससे आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बन सके।

महिला सशक्तिकरण विषयक कार्यशाला में मंच पर बैठे मुख्य अतिथि व अन्य।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने कहा कि देश व प्रदेश सरकार द्वारा महिला उत्थान के लिए कई परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं के आत्मनिर्भर हेतु 1 वर्ष में लगभग 67 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। महिलाएं आत्मनिर्भर व सशक्त बने इसके लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा मुर्गी पालन, बीज उत्पादन, सिलाई एवं कढ़ाई मशीन सिलाना, मोमबत्ती बनाना, मिट्टी के बर्तन एवं दुग्ध उत्पादन जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कानपुर मंडल के सभी जनपदों की लगभग 34 महिलाओं ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ एस वी पाल द्वारा किया गया। तथा सभी अतिथियों का स्वागत प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ धनंजय सिंह ने किया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र विज्ञान डॉक्टर खेदरतन ने किया।

इस कार्यक्रम में राज्य कृषि प्रबंध संस्थान लखनऊ की उपनिदेशक डॉ कनीज फातिमा, कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. एके सचान,सह निदेशक प्रसार डॉ. पीके राठी, डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. अनिल कुमार सिंह, एस एस वर्मा, डॉ. आशा यादव, डॉ. जितेंद्र यादव सहित कृषि विभाग एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

कश्मीर में शाह का बेखौफ अंदाज : गृहमंत्री... 12

काशी को 5189 करोड़ की सौगात... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 16
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
लखनऊ | मंगलवार | 26 अक्टूबर, 2021

साहसी दृढ़ निश्चय एवं आत्मविश्वासी बनें महिलाएं : महेश कुमार गुप्ता

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में सोमवार को शुरू हुए पांच दिवसीय महिला सशक्तिकरण विषय पर कार्यशाला का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश की राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता और कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उनमें जागरूकता लानी होगी और स्वयं में निर्णय लेने, नेतृत्व करने की क्षमता का विकास करना होगा। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह साहसी दृढ़ निश्चय एवं आत्मविश्वासी बने क्योंकि नारी की सशक्त होने पर ही देश एवं समाज के उज्जवल भविष्य की कामना की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है यह पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं गांव में अपना कृषि आधारित उद्यम स्थापित करेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने कहा कि देश व प्रदेश सरकार द्वारा महिला उत्थान के लिए कई परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं के आत्मनिर्भर के लिए एक वर्ष में लगभग 67 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कानपुर मंडल के सभी जनपदों की लगभग 34 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में डॉ. कनीज फातिमा, डॉ. ए. के. सचान, डॉ.पी.के. राठी, डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. अनिल कुमार सिंह, एस.एल. वर्मा, डॉ. आशा यादव, डॉ. जितेंद्र यादव सहित कृषि विभाग एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी मौजूद रहे।

the pioneer
LUCKNOW | TUESDAY | OCTOBER 26, 2021

ACS: Need to train women for agri-based industry

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Additional Chief Secretary to Uttar Pradesh Governor, Mahesh Kumar Gupta, while inaugurating the Mahila Sashaktikaran Prashikshan programme at the extension directorate of CSA University of Agriculture and Technology on Monday, said there was an imperative need to train women for agriculture based industry so as to make them independent and self-reliant.

He said Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath was making every effort for the uplift of women in this direction. He said it was good that the best university had decided to impart special training to women regarding agri-business to make them independent. He appealed to the women who had assembled for the occasion to avail themselves of the facility for their own uplift.

CSAUAT Vice Chancellor Dr DR Singh said women's contribution in every sector, including agriculture, could not be overlooked and thus it had been decided to build up women leadership in the farming and agricultural sectors. He said women were the backbone of the Indian agriculture sector and their contribution was pivotal in making the sector self-reliant. He explained in detail the government's various schemes aimed at empowering women in every aspect of life, especially women's contribution in agriculture and farming sectors.

Additional Chief Secretary to Governor, Uttar Pradesh, Mahesh Kumar Gupta inaugurating the 'Mahila Sashaktikaran Prashikshan Karyakaram' at CSA University on Monday. Pioneer

Dr Singh said the agriculture sector as a whole had developed and emerged immensely with the infusion of science and technology. He said in developing countries like India, agriculture continued to absorb and employ female work force but failed to give them recognition of employed labour. He said women constituted 38 per cent of the agricultural labour force in developing countries and it was also estimated that 45.3 per cent of the agricultural labour force consisted of women. He said ironically a large number of women had remained as "invisible workers".

The vice chancellor said women were highly responsible for the development of rural areas and the lives of people living there. He said women were beneficial for the farmers dependent on agriculture as it stabilised their income and also helped by preventing the migration of rural population to urban areas. He said agri business was characterised by raw materials that were mostly perishable, variable in quality and not regularly available.

He said the sector was subject to stringent regulatory controls on consumer safety, product quality and environmental protection. He said traditional production and distribution methods were now being replaced by more closely coordinated and better planned linkages between agribusiness firms, farmers and retailers. Dr Singh said women farmers were not only being held back because they were women, but they also faced the challenges felt by all small-scale farmers and they had less access to land, loans and machinery than men do. He said growth in small-scale agriculture was two to four times more effective at reducing hunger and poverty than any other sector, and women farmers were playing a central role and now it was more important than ever to empower women farmers to ensure resilience to climate change and to end world hunger.

Prominent among those present were Dr Dhananjay Singh, Dr SB Pal, Dr AK Singh and Dr Khalil Khan.

The training programme will deal with organic farming and scientific methods of farming also.

वर्ष 15 अंक 293 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, मंगलवार 26 अक्टूबर 2021

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

महिला सशक्तिकरण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ उद्घाटन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज पांच दिवसीय(25-29 अक्टूबर 2021) महिला सशक्तिकरण विषय पर कार्यशाला का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश की राज्यपाल महोदया के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता एवं कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मा. राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु उनमें जागरूकता लानी होगी साथ ही स्वयं में निर्णय लेने, नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने महिलाओं का आवाहन किया कि वह साहसी दृढ़ निश्चय एवं आत्मविश्वास ही बने क्योंकि नारी की सशक्त होने पर ही देश एवं समाज के उज्जवल भविष्य की कामना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निसंदेह सहजता से हर एक दिन भिन्न-भिन्न भूमिकाएं जीते हुए महिलाएं किसी भी समाज का स्तंभ है। हमारे आसपास महिलाएं सहृदय बेटियां, संवेदनशील माताएं, सक्षम सहयोगी और अन्य कई भूमिकाओं को बड़ी ही कुशलता व सौम्यता से निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं स्वास्थ्य सामाजिक एवं आर्थिक स्वावलंबी बने।उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर गांव में अपना कृषि आधारित उद्यम स्थापित करेंगी जिससे आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बन सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने कहा कि देश व प्रदेश सरकार द्वारा महिला उत्थान के लिए कई परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं के आत्मनिर्भर हेतु 1 वर्ष में लगभग 67 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। महिलाएं आत्मनिर्भर व सशक्त बने इसके लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा मुर्गी पालन,

बीज उत्पादन, सिलाई एवं कढ़ाई मशीन सिखाना, मोमबत्ती बनाना, मिट्टी के बर्तन एवं दुग्ध उत्पादन जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कानपुर मंडल के सभी जनपदों की लगभग 34 महिलाओं ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ एस बी पाल द्वारा किया गया। तथा सभी अतिथियों का स्वागत प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ धनंजय सिंह ने किया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन ने किया। इस कार्यक्रम में राज्य कृषि प्रबंध संस्थान लखनऊ की उपनिदेशक डॉ कनीज फातिमा, कोर्स कोआर्डिनेटर डॉ एके सचान,सह निदेशक प्रसार डॉक्टर पीके राठी, डॉक्टर सुभाष चंद्रा, डॉक्टर अनिल कुमार सिंह, एस एल वर्मा, डॉक्टर आशा यादव, डॉक्टर जितेंद्र यादव सहित कृषि विभाग एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

स्वरोजगार से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता ने किया महिला सशक्तिकरण पर प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन

कानपुर, 25 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में सोमवार को महिला सशक्तिकरण विषय पर कार्यशाला का उदघाटन मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु उनमें जागरूकता लानी होगी। साथ ही स्वयं में निर्णय लेने, नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि वह साहसी दृढ़ निश्चय एवं आत्मविश्वास ही बने क्योंकि नारी की सशक्त होने पर ही देश एवं समाज के उज्ज्वल भविष्य की कामना कर सकते हैं। हमारे आसपास महिलाएं सहृदय बेटियां, संवेदनशील माताएं, सक्षम सहयोगी और अन्य कई भूमिकाओं को बड़ी ही कुशलता व सौम्यता से निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं स्वास्थ्य सामाजिक एवं आर्थिक स्वावलंबी बने। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर गांव में अपना कृषि आधारित उद्यम स्थापित करेंगी जिससे आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बन सके। कार्यक्रम की

अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता को प्रतीक चिन्ह देते कुलपति।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ डी आर सिंह ने कहा कि देश व प्रदेश सरकार द्वारा महिला उत्थान के लिए कई परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं के आत्मनिर्भर हेतु 1 वर्ष में लगभग 67 कार्यक्रम आयोजित किए गए है। महिलाएं आत्मनिर्भर व सशक्त बने इसके लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा मुर्गी पालन, बीज उत्पादन, सिलाई एवं कढ़ाई मशीन सिखाना, मोमबत्ती बनाना, मिट्टी के बर्तन एवं दुग्ध उत्पादन जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कानपुर मंडल के सभी जनपदों की लगभग 34 महिलाओं ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ एस बी पाल द्वारा किया गया।इस दौरान उपनिदेशक डॉ कनीज फातिमा, कोर्स कोआर्डिनेटर डॉ एके सचान, सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी, डॉ सुभाष चंद्रा, डॉ अनिल कुमार सिंह, एस एल वर्मा, डॉ आशा यादव, डा. धनंजय सिंह, डा. वेदरतन सहित कृषि विभाग एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

@gmail.com, vidhankesarinews@gmail.com

www.

हिन्दी दैनिक

विधान केसरी

...खबर सिर्फ जन-हित के लिए

लखनऊ संस्करण, मंगलवार 26 अक्टूबर 2021 (वर्ष-3 अंक 126), मूल्य:-2.00 रुपये पृष्ठ-08

महिला सशक्तिकरण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ उद्घाटन

कानपुर नगर (विधान केसरी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज पांच दिवसीय (25-29 अक्टूबर 2021) महिला सशक्तिकरण विषय पर कार्यशाला का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश की राज्यपाल महोदया के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता एवं कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु उनमें जागरूकता लानी होगी साथ ही स्वयं में निर्णय लेने, नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने महिलाओं का आवाहन किया कि वह साहसी दृढ़ निश्चय एवं आत्मविश्वास ही बने क्योंकि नारी की सशक्त होने पर ही देश एवं समाज के उज्जवल भविष्य की कामना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निसंदेह सहजता से हर एक दिन भिन्न-भिन्न भूमिकाएं जीते हुए महिलाएं किसी भी समाज का स्तंभ है। हमारे आसपास महिलाएं सहृदय बेटियां, संवेदनशील माताएं, सक्षम सहयोगी और अन्य कई भूमिकाओं को बड़ी ही कुशलता व सौम्यता से निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं स्वास्थ्य सामाजिक एवं आर्थिक स्वावलंबी बने। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर गांव में अपना कृषि आधारित उद्यम स्थापित करेंगी जिससे आत्मनिर्भर बन स्वावलंबी बन सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने कहा कि देश व प्रदेश सरकार द्वारा महिला उत्थान के लिए कई परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं के आत्मनिर्भर हेतु 1 वर्ष में लगभग 67 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। महिलाएं आत्मनिर्भर व सशक्त बने इसके लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा मुर्गी पालन, बीज उत्पादन, सिलाई एवं कढ़ाई मशीन सिखाना, मोमबत्ती बनाना, मिट्टी के बर्तन एवं दुग्ध उत्पादन जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कानपुर मंडल के सभी जनपदों की लगभग 34 महिलाओं ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ एस बी पाल द्वारा किया गया। तथा सभी अतिथियों का स्वागत प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ धनंजय सिंह ने किया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन ने किया। इस कार्यक्रम में राज्य कृषि प्रबंध संस्थान लखनऊ की उपनिदेशक डॉ कनीज फातिमा, कोर्स कोआर्डिनेटर डॉ एके सचान,सह निदेशक प्रसार डॉक्टर पीके राठी, डॉक्टर सुभाष चंद्र, डॉक्टर अनिल कुमार सिंह, एस एल वर्मा, डॉक्टर आशा यादव, डॉक्टर जितेंद्र यादव सहित कृषि विभाग एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

सीएसए में उत्कृष्ट खेती के गुर सीखेगा मलेशियन छात्र

कानपुर, 25 अक्टूबर। उत्कृष्ट खेती के गुर सीखने मलेशिया से एक छात्र सीएसए कैंपस में आएगा। छात्र ने परास्नातक के कोर्स में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में प्रवेश लिया है। विवि के अधिकारियों के मुताबिक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और अन्य विभागों की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद छात्र को प्रवेश दिया जाएगा। सीएसए के कुलसचिव डॉ. सर्वेंद्र कुमार ने बताया कि अभी तक विवि में तीन विदेशी छात्र अलग-अलग पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ये तीनों ही छात्र अफगानिस्तान के हैं। वर्तमान में सिर्फ एक छात्र विवि के इंटरनेशनल हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है। जबकि अन्य दो छात्र अफगानिस्तान में हैं।